IAS GS World PCS

Committed To Excellence

Prelims Capsule

प्रमुख अंग्रेजी अखबारों से...

Corp. Office:-
629, Ground Floor, Main Road,
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi - 110009
Ph.:- 011-27658013, 7042772062/63

नोबेल पुरस्कार-2018

द हिन्दू/टाइम्स ऑफ इंडिया/इंडियन एक्सप्रेस
(03 अक्टूबर)

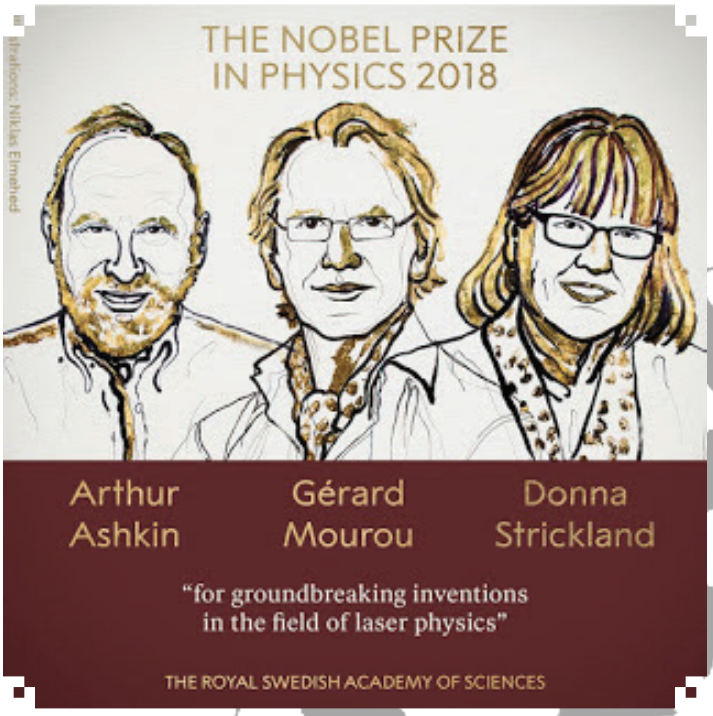

संदर्भ-

- हाल ही में नोबेल पुरस्कार समिति द्वारा भौतिकी के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की गयी है।
- इस बार भौतिकी का नोबेल तीन लोगों को दिया जाएगा, जिसमें ऑर्थर अशकिन और गेर्राड मौरोउ और डोना स्ट्रिकलैंड का नाम शामिल है।
- इस पुरस्कार में आधा भाग ऑर्थर अशकिन जबकि आधे भाग में से गेर्राड मौरोउ और डोना स्ट्रिकलैंड को सम्मानित किया गया है।
- डोना स्ट्रिकलैंड 55 वर्ष में नोबेल जीतने वाली पहली महिला हैं।

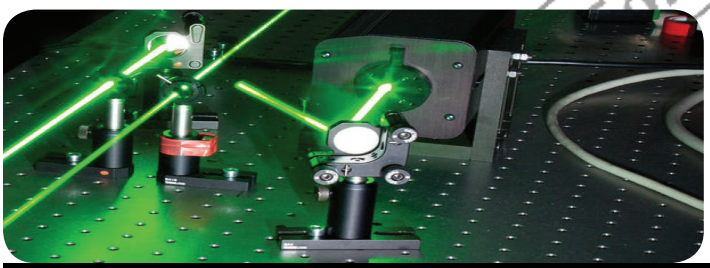

मुख्य बिंदु-

- नोबेल पुरस्कार इन वैज्ञानिकों को लेजर भौतिकी के फील्ड में अहम आविष्कार करने के लिए दिया गया है।
- डोन्ना स्ट्रिकलैंड भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली तीसरी महिला वैज्ञानिक हैं।
- आर्थर एश्किन अमेरिकन वैज्ञानिक हैं, जिनके ऑप्टिकल ट्वीजर्स और बायोलॉजिकल सिस्टम्स के संबंध में किए गए प्रयोगों को रॉयल स्वीडिश एकेडमी ने मान्यता दी है।
- गेरार्ड मोरोउ (फ्रांस) और डोन्ना स्ट्रिकलैंड (कनाडा) को हाई-इंटेसिटी, अल्ट्रा शॉर्ट ऑप्टिकल पल्स को जेनरेट करने के तरीके के लिए नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- पिछले वर्ष भी भौतिकी का नोबेल पुरस्कार तीन वैज्ञानिकों रेनर वीस, बैरी बैरिश और किप थ्रोन को दिया गया था।
- इन तीनों वैज्ञानिकों को गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था।

पृष्ठभूमि-

- कनाडा की डोना स्ट्रिकलैंड यह अवॉर्ड जीतने वाली तीसरी महिला हैं। उनसे पहले मैरी क्यूरी को 1903 और मारिया गोपर्ट-मेयर ने 1963 में भौतिकी का नोबेल जीता था।
- डॉक्टर स्ट्रिकलैंड और डॉक्टर मौरोउ ने बेहद छोटी मगर तेज लेजर पल्स बनाने में योगदान दिया है।
- इन्होंने चर्प्ड पल्स एंप्लिफिकेशन (सीपीए) नाम की तकनीक विकसित की है जिसका इस्तेमाल कैंसर के इलाज और आँखों की सर्जरी में होता है।

नोबेल पुरस्कार?

- प्रत्येक वर्ष विज्ञान, साहित्य के क्षेत्र में महान आविष्कार करने वाले वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।
- यह पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंस की ओर से प्रदान किया जाता है।
- इसमें पुरस्कारस्वरूप 7,70,000 पाउण्ड की राशि दी जाती है।
- इस वर्ष साहित्य का नोबेल पुरस्कार नहीं दिया जा रहा है क्योंकि नोबेल पुरस्कार का चुनाव करने वाली संस्था स्वीडिश एकेडमी की ज्यूरी की एक सदस्य के पति यौन शोषण के आरोपों में घिरे हैं जिसके चलते स्वीडिश एकेडमी विवादों में घिरी हुई है।

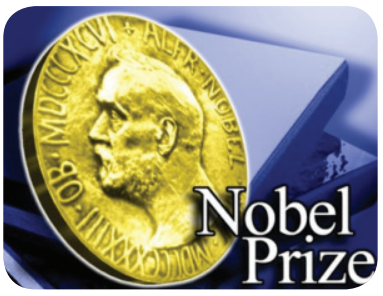

विश्व आवास दिवस, 2018

पायनियर (1 अक्टूबर)

संदर्भ-

- हाल ही में 01 अक्टूबर, 2018 को विश्व आवास दिवस विश्व भर में मनाया गया।
- यह दिवस प्रत्येक वर्ष अक्टूबर माह के पहले सोमवार को संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्त्व में मनाया जाता है।
- इस दिवस पर हमारे शहरों, कस्बों की स्थिति पर प्रकाश डाला जाता है और सभी को आश्रय प्रदान करने की आवश्यकता पर भी बल दिया जाता है।
- इस दिवस का कार्य यह बताना भी है कि हमारे पास सभी शहरों और कस्बों के भविष्य को आकार देने की शक्ति और जिम्मेदारी है।

क्या है?

- यह दिवस पहली बार वर्ष 1986 में मनाया गया था। विश्व आवास दिवस का आयोजन पहली बार केन्या की राजधानी नैरोबी में हुआ था।
- इस दिन विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते हैं जिसके माध्यम से शहरीकरण के कारण गरीबी तथा पर्यावरण की समस्या को परिलक्षित किया जाता है।
- यह दिवस विश्व के सभी देशों को अपने शहरों तथा महानगरों को भविष्य में सुनियोजित तरीके से बदलने तथा बसाने की जिम्मेदारी की याद दिलाता है।
- इस दिवस को मनाने के पीछे विश्व भर में छोटे-बड़े शहरों और महानगरों में आवास की स्थिति, घटती जगह और सबको छत की आवश्यकता तथा मौलिक अधिकार को रेखांकित करने का उद्देश्य निहित है।

उद्देश्य-

- इस दिवस का मनाने का मुख्य उद्देश्य मानवता के मूल अधिकार की पहचान करना और उन्हें पर्याप्त आश्रय देना है।
- वर्ष 2018 के लिए विश्व आवास दिवस की थीम नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन है।

अन्य मुख्य बिंदु-

- विश्व आवास दिवस एक वैश्विक अनुपालन है ना कि एक सार्वजनिक अवकाश है। आवास स्क्रॉल ऑफ ऑनर पुरस्कार, संयुक्त राष्ट्र के मानव बस्ती कार्यक्रम (यूएनएचएसपी) द्वारा वर्ष 1989 से शुरू किया गया था।
- इस पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य ऐसे कार्यों को प्रारंभ करना है जो संघर्षरत और बेघर लोगों की पीड़ा को न केवल समझ सके, बल्कि उन्हें दूर भी कर सके।

प्रतिस्पर्धा अधिनियम की समीक्षा के लिए समिति का गठन

PIB (30 सितम्बर)

संदर्भ-

- हाल ही में केंद्र सरकार ने प्रतिस्पर्धा अधिनियम की समीक्षा के लिए प्रतिस्पर्धा अधिनियम समीक्षा समिति का गठन किया है।
- सशक्त आर्थिक आधारभूत ढाँचे की आवश्यकता के लिए संबंधित अधिनियम को समकालीन बनाने के उद्देश्य से प्रतिस्पर्धा अधिनियम समीक्षा समिति का गठन किया है।
- प्रतिस्पर्धा अधिनियम वर्ष 2002 में पारित हुआ था, लेकिन भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने वर्ष 2009 से पूरी तरह काम करना शुरू किया।

समिति का गठन-

- इसके लिये अधिनियम की समीक्षा के लिये कॉरपोरेट मामलों के सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है।
- यह समिति अपनी पहली बैठक की तिथि से तीन महीने के भीतर अपना कार्य पूर्ण करेगी और रिपोर्ट देगी।
- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग भारत की एक विनियामक संस्था है। इसका उद्देश्य स्वच्छ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है ताकि बाजार उपभोक्ताओं के हित का साधन बनाया जा सके।
- समीक्षा समिति के सदस्य
- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड के अध्यक्षों को इसका सदस्य बनाया गया है।
- कॉर्पोरेट मामलों के संयुक्त सचिव(प्रतिस्पर्धा) समिति के सदस्य सचिव होंगे।

कार्य-

- यह समिति बदलते हुए व्यापारिक वातावरण के अनुरूप प्रतिस्पर्धा अधिनियम, नियम और नियमावली की समीक्षा करेगी और आवश्यकता होने पर अपेक्षित बदलाव के सुझाव देगी।

- प्रतिस्पर्धा क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणाली का अध्ययन करना और इसमें विशेष तौर पर साख विरोधी कानून, विलय दिशा-निर्देश और सीमा व्यापार प्रतिस्पर्धा मुद्दे सम्मिलित हैं।
- प्रतिस्पर्धा अधिनियम के साथ परस्पर व्याप्त अन्य नियामक व्यवस्था/संस्थागत प्रक्रिया/सरकारी नीतियों का अध्ययन करना है।
- आयोग देश में प्रतिस्पर्धा के विकास और बाजार के मामलों को देखता है।

स्टैट पहल

PIB (28 सितम्बर)

संदर्भ-

- हाल ही में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतिम दिन किफायती परिवहन की दिशा में सतत् वैकल्पिक (स्टैट) पहल लॉन्च किया गया।
- कंपनियों के साथ पहल शुरू करने के साथ ही संभावित उद्यमियों से संपीड़ित जैव गैस (सीबीजी) उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए ब्याज की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करेंगे और मोटरवाहन ईंधन में उपयोग के लिए बाजार में बायोगैस उपलब्ध कराएंगे।

लक्ष्य-

- पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार कुल 5000 कॉम्प्रेस्ड बायोगैस स्टेशनों से सालाना लगभग 1.5 करोड़ टन गैस मिलेगी जो मौजूदा समय में इस्तेमाल हो रही सीएनजी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है।

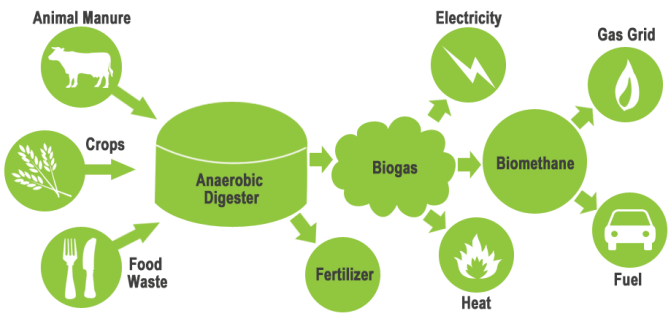

- देश में मौजूदा समय में सालाना लगभग 4.4 करोड़ टन सीएनजी का इस्तेमाल वाहन ईंधन के तौर पर होता है।
- इस योजना में सरकार लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये निवेश करेगी और इससे लगभग 75,000 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।

लाभ-

- इस कदम से किफायती परिवहन ईंधन की उपलब्धता को बढ़ावा मिलेगा तथा राज्य में अपशिष्ट पदार्थों के निपटान में भी सहायता मिलेगी।
- इस योजना के जरिये शहरी और ग्रामीण इलाकों में क्षमतावान कॉम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- इन प्लांट्स में तैयार होने वाली कॉम्प्रेस्ड बायोगैस को सरकार खरीदेगी और उसका इस्तेमाल वाहनों के ईंधन के तौर पर करेगी।
- इस योजना के जरिये सरकार सस्ता वाहन ईंधन तो मुहैया कराएगी ही साथ में कृषि अवशेषों का सही इस्तेमाल होगा और पशु मल तथा शहरी कचरे का इस्तेमाल भी हो सकेगा।
- इससे किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक और स्रोत मिलेगा।
- मौजूदा और आगामी बाजारों में घरेलू और खुदरा उपयोगकर्त्ताओं को आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए संपीड़ित जैव-गैस नेटवर्क को सिटी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के साथ एकीकृत किया जा सकता है।
- ओएमसी ईंधन स्टेशनों से खुदरा बिक्री के अलावा, संपीड़ित जैव-गैस को बाद में तारीख को सीजीडी पाइपलाइनों में कुशल वितरण और क्लीनर और अधिक किफायती ईंधन की अनुकूलित पहुँच के लिए इंजेक्शन दिया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ

द हिन्दू (29 सितम्बर)

चर्चा में क्यों?

- वैज्ञानिकों ने पौधों के संरक्षण के कार्य को सुचारु बनाने के लिए भारत की ऐसी 59 पौधा-प्रजातियों का चयन किया है जो अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) के मानदंडों पर खरे उतरते हैं।

मुख्य बिंदु-

- भारत में लगभग 2,700 ऐसी पौधा-प्रजातियाँ खतरे में हैं, परन्तु ICUN में अभी तक बहुत कम पौधों का मूल्यांकन किया है।
- इस तथ्य को देखते हुए कई संस्थानों के विशेषज्ञों ने ऐसे 59 पौधों की सूची बनाई है, जिनके ऊपर मडँराते हुए खतरों का मूल्यांकन नहीं किया गया तो ये विलुप्त हो जायेंगे।
- अध्ययन के अनुसार 10 पौधे विकट रूप से संकटग्रस्त हैं।
- 18 पौधे संकटग्रस्त हैं और 6 पौधे संकट की ओर बढ़ रहे हैं। 5 पौधे संकट से ग्रस्त होने ही वाले हैं तथा 1 पौधा ऐसा है जो वर्तमान के लिए सबसे कम चिंता का विषय है।

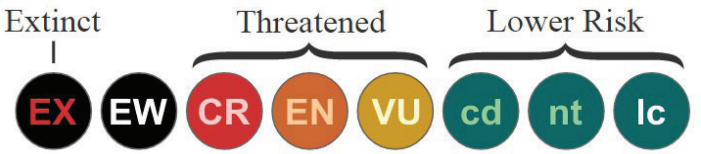

कमी का कारण-

- क्षेत्रीय सर्वेक्षणों से पता चला है कि पौधों की संख्या में कमी का सबसे बड़ा कारण उनके प्राकृतिक निवास को पहुँचाई गई क्षति है।
- प्रयोगशाला में बीजों के अंकुरण की क्षमता की जाँच से पता चलता है कि कई बीज फलने-फूलने में असमर्थ हैं और पौधों के ह्रास का यह भी एक बड़ा कारण हो सकता है।

IUCN क्या है?

- इसकी स्थापना अक्टूबर, 1948 में फ्रांस के फॉन्टेनबेलाऊ शहर में आयोजित हुए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकृति के संरक्षण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय के रूप में की गई थी।
- 1956 में इस संघ का नाम IUPN से बदलकर IUCN कर दिया गया है।
- इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड में जेनेवा के निकट ग्लैंड में है।
- आईयूसीएन दुनिया का पहला वैश्विक पर्यावरण संगठन है और आज के दिन में यह सबसे बड़ा वैश्विक संरक्षण नेटवर्क है।
- IUCN मानव का प्रकृति के साथ जो व्यवहार है उसका अध्ययन करता है और दोनों के बीच संतुलन को संरक्षित करता है।
- यह जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ टिकाऊ विकास और खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों पर विचार करता है।

GS World
Committed To Excellence

1. भौतिक के नोबेल पुरस्कार, 2018 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. इस वर्ष का पुरस्कार ऑर्थर अशकिन, गेर्राड मौरोउ और रेनर वीस को दिया गया।
2. आर्थर एश्किन को हाई-इंटेसिटी, अल्ट्रा शॉर्ट ऑप्टिकल पल्स को जनरेट करने के लिए पुरस्कार हेतु चयन किया गया।
3. गेरार्ड को ऑप्टिकल टूवीजर्स और बायोलॉजिकल सिस्टम्स के संबंध में प्रयोगों के लिए पुरस्कार हेतु चयन किया गया।

उपर्युक्त कथन में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 2
(b) 1 और 3
(c) 2 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

2. विश्व आवास दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस दिवस को प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा मानाया जाता है।
2. वर्ष 2018 विश्व आवास दिवस की थीम सबके लिए टिकाऊ आवास है।
3. इस दिवस के द्वारा शहरीकरण-गरीबी-पर्यावरण के संबंधों पर प्रकाश डाला जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) 1 और 2
(b) केवल 3
(c) 2 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

3. प्रतिस्पर्धा अधिनियम समीक्षा समिति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह समिति प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2009 में अपेक्षित बदलाव की सिफारिश करेगी।
2. समिति में भारतीय रिजर्व बैंक एवं SEBI के सदस्य होंगे।
3. समिति द्वारा प्रतिस्पर्धा कानून में साख विरोधी कानून एवं सीमा व्यापार प्रतिस्पर्धा के मुद्दे समाहित हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 2
(b) 1 और 2
(c) 1 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

4. सतत वैकल्पिक (स्टैट) पहल के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस कार्यक्रम द्वारा सीएनजी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।
2. शहरों व गाँवों के प्लांट से सरकार गैस खरीदेगी।
3. इस कार्यक्रम के तहत सीएनजी नेटवर्क को सिटी गैस नेटवर्क के साथ एकीकृत किया जाएगा।
4. इस कार्यक्रम का एक दूसरा पहलू अवशिष्ट प्रबंधन भी है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) 1, 2 और 4
(b) 1, 2 और 3
(c) 2 और 4
(d) उपर्युक्त सभी

5. पौधों के संरक्षण से संबधित सर्वेक्षणों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. अधिकांश भारतीय पौधों का मूल्यांकन ICUN द्वारा कर लिया गया है।
2. भारत में पौधों की संख्या में कमी का कारण, प्राकृतिक निवास की क्षति है।
3. अंकुरण क्षमता में कमी के कारण कई पौधे विलुप्त होने के कगार पर हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) 1 और 3
(c) केवल 3
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

नोट-

01 अक्टूबर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संबंधित प्रश्न) का उत्तर 1.(d), 2.(c), 3.(c), 4.(d), 5(c) होगा।